शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

मध्यावधि अभ्यास प्रश्न-पत्र

सत्र - 2026-27, कक्षा - 9

विषय - हिंदी (आर-1)

अवधि - 3 घंटे अधिकतम अंक - 80

सामान्य निर्देश-

निम्नलिखित निर्देशों को पढ़कर उनका पालन कीजिए-

- इस प्रश्न पत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
- इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।
- यथासंभव चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

खंड-क (अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

हिंदी के प्रसिद्ध लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का जन्म 7 मार्च सन् 1911 को कुशीनगर में हुआ। बचपन से वे एकांतप्रिय थे। लोग उनके माता-पिता से कहते थे कि वे देर तक अकेले खड़े रहकर सोचते रहते हैं और उन्हें लोगों से घुलना-मिलना चाहिए। अज्ञेय ने जीवन में अनेक कार्य किए–बढ़ई, लोहार, चित्रकार, फोटोग्राफर, पर्वतारोही, सेना कर्मचारी तथा नवभारत और दिनमान पत्रिका में संपादक रहे। विज्ञान में स्नातक के बाद उन्होंने एम.ए. इंग्लिश में प्रवेश लिया, पर उसी समय वे स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारियों भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सुखदेव आदि से जुड़ गए। सन् 1930 में एक मुखबिर के कारण पकड़े गए। ब्रिटिश साम्राज्य से बगावत के आरोप में उन पर मुकदमा चला, उनसे प्रभावित होकर जज (न्यायाधीश) साहब ने अपने नोट में लिखा कि "मैंने ऐसा भाषाई कौशल आज तक नहीं देखा, कानून के मुताबिक उन्हें सज़ा तो दी जा रही है लेकिन मैं ऐसे अद्भुत शब्द शिल्पी को सजा देने में असहज महसूस कर रहा हूँ।" वे तीन वर्ष जेल में रहे। जेल में ही रहते हुए उन्होंने अपनी कहानियाँ 'प्रेमचंद' के संपादन में निकलने वाली पत्रिका 'जागरण' में प्रकाशित होने भेजी तो लेखक का नाम अज्ञात होने के कारण प्रेमचंद ने उन्हें 'अज्ञेय' नाम दिया। जेल में ही उन्होंने अपना प्रसिद्ध उपन्यास 'शेखर : एक जीवनी' लिखा।

क. गद्यांश के अनुसार 'अज्ञेय' ने स्नातक के बाद शिक्षा के लिए किस विषय का चुनाव किया? (1)

(i) विज्ञान (ii) हिंदी

(iii) गणित (iv) इंग्लिश

ख. निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए- (1)

कथन : अज्ञेय तीन वर्ष जेल में रहे।

कारण : अज्ञेय पर ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ बगावत का आरोप था।

(i) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(ii) कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

ग. गद्यांश के अनुसार 'अज्ञेय' के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषताएँ गद्यांश में बताई गई हैं? (1)

I. अकेले रहना

II. शरारती होना

III. बोलने में कुशल

IV. क्रांतिकारी स्वभाव

विकल्प:

(i) कथन (II) और (IV) सही है।

(ii) कथन (II) और (III) सही है।

(iii) कथन (I), (III), और (IV) सही हैं।

(iv) कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।

घ. गद्यांश के अनुसार सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन को 'अज्ञेय' नाम क्यों मिला? (2)

ङ. गद्यांश के आधार पर लिखिए कि 'अज्ञेय' को सजा देने में जज (न्यायाधीश) असहज महसूस क्यों कर रहे थे? (2)

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

तुम रजनी के चाँद बनोगे? या दिन के मार्त्तण्ड प्रखर?
एक बात है मुझे पूछनी, फूल बनोगे या पत्थर?
तेल, फुलेल, क्रीम, कंघी से नकली रूप सजाओगे?
या असली सौंदर्य लहू का, आनन पर चमकाओगे?
पुष्ट देह, बलवान भुजाएँ, रूखा चेहरा, लाल मगर,
यह लोगे? या लोगे पिचके गाल, सँवारी माँग सुघर?
जीवन का वन नहीं सजाया जाता कागज़ के फूलों से,

अच्छा है, दो पाट इसे जीवित बलवान बबूलों से।
चाहे जितना घाट सजाओ, लेकिन, पानी मरा हुआ,
कभी नहीं होगा निर्झर-सा स्वस्थ और गति-भरा हुआ।
सिंधु नहीं, सर कहो उसे चंचल जो नहीं तरंगों से,
मुर्दा कहो उसे, जिसका दिल व्याकुल नहीं उमंगों से।

(क) कवि ने गतिशीलता के गुण को प्रदर्शित करने के लिए किन प्रतीकों का प्रयोग किया है? (1)

i. निर्झर और सिंधु

ii. पत्थर और बबूल

iii. सरोवर और तरंगें

iv. मुर्दा और दिल

(ख) कवि के अनुसार 'जीवन का सच्चा सौंदर्य और शक्ति' किन बातों में निहित है? (1)

I. संघर्ष और परिश्रम की लालिमा में
II. कृत्रिम साज-सज्जा और दिखावे में
III. उमंग, उत्साह और गतिशीलता में
IV. पिचके गालों और बनावटी सजावट में

विकल्प:

i. केवल कथन I सही है।
ii. केवल कथन III सही है।
iii. कथन I और III सही है।
iv. कथन I, II और IV सही है।

(ग) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए: (1)

कथन: काव्यांश के आरंभ और अंत में कवि की अभिव्यक्ति शैली में परिवर्तन दिखाई देता है।

कारण: काव्यांश के आरंभ में कवि प्रश्न पूछता है और अंत में अपने विचार स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करता है।

i. कथन सही है लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।
ii. कथन गलत है लेकिन कारण सही है ।
iii. कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
iv. कथन और कारण दोनों गलत हैं ।

(घ) कवि ने 'कागज़ के फूलों' के स्थान पर 'जीवित बलवान बबूलों' को अधिक महत्त्व क्यों दिया है? (2)

(ङ) काव्यांश के आधार पर सिंधु और सरोवर में एक समानता और एक अंतर लिखिए? (2)

खंड- ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार **'उपसर्ग-प्रत्यय'** पर आधारित दिए गए पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4x1=4)

(क) 'प्र' उपसर्ग से युक्त एक शब्द लिखिए।
(ख) 'उपस्थित' शब्द में निहित उपसर्ग लिखिए।
(ग) 'मेहनती' शब्द में निहित प्रत्यय लिखिए।
(घ) 'दार' प्रत्यय से युक्त एक शब्द लिखिए।
(ङ) 'ऐतिहासिक' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द लिखिए।

4. निर्देशानुसार **'संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया'** पर आधारित दिए गए पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4x1=4)

(क) भाववाचक संज्ञा का एक उदाहरण लिखिए।
(ख) 'अमिता का आग्रह है कि मैं समाज-सुधार पर लिखूँ।' - वाक्य में प्रयुक्त सर्वनाम पहचानकर लिखिए।
(ग) 'दोनों ने दीवार की ___________मिट्टी चाटनी शुरू की।' - रिक्त स्थान में उचित विशेषण लिखकर वाक्य पूर्ण कीजिए।
(घ) 'जगन मास्टर ने संतोष की साँस ली।' - वाक्य में प्रयुक्त भाववाचक संज्ञा पहचानकर लिखिए।
(ङ) 'हमारे घर में बचपन में होली का त्योहार मनता था।' - वाक्य में प्रयुक्त क्रिया पद पहचानकर लिखिए।

5. निर्देशानुसार **'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद'** पर आधारित दिए गए पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4x1=4)

(क) अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती, तो वे झूरी से पूछते। (वाक्य का भेद लिखिए)
(ख) इस कथन की यथार्थता में मुझे संदेह नहीं है। (विधानवाचक वाक्य में बदलिए)
(ग) हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता। (संदेहवाचक वाक्य में बदलिए)
(घ) 'मैं एक निबंध लिख सकता हूँ।' (इच्छावाचक वाक्य में बदलिए)
(ङ) 'अच्छा अब जाओ, बाहर जाकर खेलो।' (वाक्य का भेद लिखिए)

6. निर्देशानुसार **'अलंकार'** पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए: (4x1=4)

(क) उत्तर से आई हवा, संग मेरे प्रश्नों के उत्तर भी लाई।

(ख) चटक चंचला चपला चमके।

(ग) पवन पपीहे को प्यासा पाकर पुकार उठा।

(घ) पत्र झरे वन के सभी, फिर आया प्रिय का पत्र।

(ङ) जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत की सोय। बारे उजियारो लगे, बढे अँधेरो होय।

खंड-ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- (5x1=5)

होली के बाद पाँचवें दिन रंग-पंचमी आती है, उस दिन मेरी माँ और पिताजी हम सब भाई-बहनों पर केसर घोलकर थोड़ा छिड़कते थे। माँ घर में कुछ मीठा बनाती थीं, जो भगवान को चढ़ाकर हमें प्रसाद में खाने को मिलता था। हम सभी की अलग-अलग आरतियाँ भी माँ उतारती थीं और इस तरह हमारे घर में बचपन में होली का त्योहार मनता था। यह होली जो आजकल प्रचलित है, इसका कोई प्रभाव हमारे घर में नहीं था। हमारे यहाँ दशहरा और दीवाली का ज्यादा महत्व था। नवरात्रि भी बहुत धूमधाम के साथ हम लोगों के यहाँ मनती है। नवरात्रि के पहले दिन हम 'गुड़ि पड़वा' मनाते हैं, जिसका विशेष महत्व है। इसमें हम घर में बाहर 'गुड़ि' बाँधते हैं और कलश स्थापना करते हैं। सूर्योदय के समय ही 'गुड़ि' पर बताशों की माला या हार बनाकर चढ़ाई जाती है, जिसे सूर्यास्त होने तक उतार लिया जाता है और प्रसाद के रूप में घर के सभी सदस्य उसे लेते हैं। यह एक बहुत महत्वपूर्ण आयोजन है हमारी तरफ और ऐसी मान्यता है कि भगवान राम चौदह वर्ष बाद जब अयोध्या लौटे थे, तो हर घर में ऐसे ही बताशों की लड़ी सजाकर 'गुड़ि' बाँधी गई थी। महाराष्ट्र में ऐसा ही कहा जाता है।

(क) गद्यांश के अनुसार लेखिका के घर में किन त्योहारों का महत्त्व अधिक था?

(i) होली और दीवाली (ii) दशहरा और दीवाली

(iii) नवरात्रि और रक्षाबंधन (iv) रामनवमी और होली

(ख) गद्यांश के अनुसार 'गुड़ि पड़वा' किस राज्य में मनाया जाता है?

(i) हरियाणा (ii) मिजोरम्

(iii) महाराष्ट्र (iv) गुजरात

(ग) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन - लेखिका के घर में वर्तमान प्रचलित होली का प्रभाव नहीं था।

कारण - लेखिका के परिवार में रंग खेलने के स्थान पर परंपराओं का पालन किया जाता था।

विकल्प -

(i) कथन सही है लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ii) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(घ) गद्यांश के अनुसार लेखिका के घर में होली कैसे मनाई जाती थी?

(I) केसर का छिड़काव किया जाता था।

(II) बताशों की लड़ी सजाई जाती थी।

(III) घर में कुछ मीठा बनाया जाता था।

(IV) कलश की स्थापना की जाती थी।

विकल्प -

(i) कथन I और II सही हैं।

(ii) कथन II, III और IV सही हैं।

(iii) कथन I, II और IV सही हैं।

(iv) कथन I, और III सही हैं।

(ङ) गद्यांश के संदर्भ में त्योहारों पर मीठा खाने की परंपरा किस भाव को दर्शाती है?

(i) भोजन में बदलाव की इच्छा

(ii) नये व्यंजन बनाने की रुचि

(iii) नमकीन भोजन से बचाव

(iv) शुभ और खुशी का प्रतीक

8. निर्धारित गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए: (3X2=6)

(क) पाठ 'दो बैलों की कथा' के आधार लिखिए कि गया के घर और काँजीहौस में से कौन-सा स्थान अधिक कष्टदायक था? अपने उत्तर के समर्थन में दो कारण लिखिए।

(ख) पाठ 'क्या लिखूँ?' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि वृद्धों और तरुणों के दृष्टिकोण में अंतर क्यों होता है?

(ग) साक्षात्कार 'ऐसी भी बातें होती हैं' के आधार पर लिखिए कि कोरस में गाने वाली लड़कियों के साथ लता मंगेशकर जी के संबंध कैसे थे?

(घ) पाठ 'संवादहीन' में लेखक ने ताई के संदर्भ में मिट्ठू की तुलना 'कंजूस के धन' से क्यों की है?

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: (5X1=5)

जो तुम तोरौ राम मैं नहिं तोरौ, तुम सौ तोरि कवन सौं जोरौ।
तीरथ बरत न करूँ अंदेसा, तुम्हरे चरन कमल एक भरोसां।
जहँ जहँ जाओ तुम्हरी पूजा, तुम सा देव ओर नहिं दूजा।
मैं अपनो मन हरि से जोरौ, हरि सो जोरि सबन सो तोरों।
सबही पहर तुम्हारी आसा, मन क्रम वचन कहै रैदासा।

(क) प्रस्तुत पद में रैदास ने अपने आराध्य को किन नामों से संबोधित किया है?

(i) हरि और राम
(ii) कृष्ण और राम
(iii) देव और दूजा
(iv) कवन और सबन

(ख) प्रस्तुत पद के अनुसार रैदास अपनी भक्ति किन माध्यमों से व्यक्त करते हैं?

(I) मन
(II) तीर्थ
(III) वचन
(IV) व्रत

विकल्प -
(i) विकल्प I और II सही हैं।
(ii) विकल्प I और III सही हैं।
(iii) विकल्प II और IV सही हैं।
(iv) विकल्प I और IV सही हैं।

(ग) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
कथन: रैदास अनेक देवताओं की पूजा-अर्चना को श्रेष्ठ मानते हैं।
कारण: विभिन्न देवताओं की पूजा-अर्चना भक्ति को पूर्णता प्रदान करती है।

विकल्प -

(i) कथन सही है लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ii) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(घ) प्रस्तुत पद के अनुसार ईश्वर तक पहुँचने का सबसे उचित मार्ग क्या है?

(i) बाह्य आडंबर (ii) पूर्ण समर्पण

(iii) पूजा पद्धतियाँ (iv) कठोर तप

(ङ) प्रस्तुत पद के अनुसार रैदास अपने आराध्य को ________________ मानते हैं। - रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प चुनिए-

(i) अद्वितीय (ii) नश्वर

(iii) तुलनीय (iv) क्रूर

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **<u>तीन</u>** प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए। (3X2=6)

(क) 'कविता 'भारति, जय, विजयकरे!' में भारत की सुंदरता का ऐसा चित्र खींचा गया है मानो भारत कोई देवी हो।' प्रदत्त कथन को सिद्ध करने के लिए दो उदाहरण लिखिए।

(ख) 'प्रभु जी तुम मोती, हम धागा, जैसे सोने मिलत सुहागा' रैदास के पद से उद्धृत इस पंक्ति का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में वर्णित कथा के अनुसार शिवधनुष को किसने और क्यों तोड़ा था?

(घ) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर लिखिए कि अपनी प्रिय वस्तु के नष्ट हो जाने से व्यथित व्यक्ति से तर्क-वितर्क करना बातचीत को किस दिशा में ले जा सकता है? अपने उत्तर के समर्थन में एक कारण लिखिए।

प्रश्न 11. निर्धारित गद्य पाठों और कविताओं पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (2X4=8)

(क) पाठ 'ऐसी भी बातें होती हैं' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि त्योहार, पारिवारिक मूल्यों और परंपराओं को सहेजने का माध्यम कैसे बनते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में चार कारण लिखिए।

अथवा

आपके अनुसार एक आदर्श निबंध में कौन-सी चार विशेषताएँ होनी चाहिए?

(ख) कविता 'भारति, जय, विजयकरे!' के आधार पर लिखिए कि प्रकृति के संरक्षण को राष्ट्र-प्रेम का अभिन्न अंग क्यों मानना चाहिए? अपने उत्तर के पक्ष में चार तर्क लिखिए।

अथवा

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम क्रोधवश भगवान राम के वास्तविक स्वरूप को नहीं पहचान पाए। क्रोध व्यक्ति के विवेक और निर्णय क्षमता को कैसे प्रभावित करता है? अपने उत्तर को चार तर्क लिखकर स्पष्ट कीजिए।

खंड-घ (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **<u>एक विषय</u>** पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । (1X5=5)

(क) **आत्मनिर्भर भारत**

संकेत बिंदु-

- आत्मनिर्भरता का अर्थ
- युवाओं की भूमिका
- राष्ट्र के विकास में योगदान

(ख) स्वाध्याय का महत्त्व

संकेत बिंदु-

- स्वाध्याय का अर्थ एवं आवश्यकता
- ज्ञान और आत्मविश्वास में वृद्धि
- जीवन में लाभ और मानसिक उन्नति

(ग) हमारे राष्ट्रीय पर्व

संकेत बिंदु-

- ऐतिहासिक महत्त्व
- उत्सवों का आयोजन
- राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश

प्रश्न 13. (क) आप नजीब / फ़रहाना हैं। आपके मित्र के पिताजी का स्थानांतरण किसी दूसरे राज्य में हो गया है। इस अवसर पर उसे प्रोत्साहित करते हुए तथा अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (1X5=5)

अथवा

(ख) आप सिमरन / समीर हैं। अपने दादा-दादी/नाना-नानी के स्वास्थ्य एवं कुशलता की जानकारी प्राप्त करने के लिए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्रश्न 14. (क) गरमी के मौसम में चलने वाली लू से बचाव हेतु एक पिता और पुत्री के बीच लगभग 80 शब्दों में संवाद लिखिए। (1X5=5)

अथवा

(ख) प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उपायों पर चर्चा करते हुए शिक्षक और विद्यार्थी के बीच लगभग 80 शब्दों में संवाद लिखिए।

प्रश्न 15. (क) आप परमीत / निहाल हैं। आप अपनी कॉलोनी की/के सचिव हैं। कॉलोनी निवासियों को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए। (1X5=5)

अथवा

(ख) आप एनी / जोसफ हैं। आप अपने विद्यालय में विज्ञान क्लब की/के अध्यक्ष हैं। विज्ञान प्रदर्शनी में स्वनिर्मित मॉडल की प्रस्तुति हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को सूचित करने हेतु लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए।